

बचपन से माँ ने मुझे श्री श्याम सिखाया है लिरिक्स



बचपन से माँ ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से माँ ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

तर्ज - एक प्यार का नगमा ।
देखे - बचपन से सुना हमने ।

तू तलाती बोली से,
तेरा नाम ही सीखा है,
ये होश संभाले जब से,
बस दर तेरा देखा है,
गोदी में रखकर सिर,
तूने सहलाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से माँ ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

रहमत से तेरी श्याम,
सांसे मेरी चलती है,
दिल की हर धड़कन बस,
तेरी माला जपती है,
मैंने जब भी पुकारा तुझे,
अपने साथ ही पाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से माँ ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

कोई भी विपदा श्याम,
मुझे छू नहीं पाती है,
ये मोरछड़ी तेरी श्याम,
पहरा जो लगाती है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्होने के का भी हो तुम मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मैंने तो पाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से मां ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

‘किशु’ ने बुना सपना,
बस तेरा हो जाऊँ,
ये सांस चले जब तक,
बस भजन तेरे गाऊँ,
मांगा जो दर से तेरे,
वो प्यार भी पाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से मां ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

बचपन से माँ ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है,
तू ही है मात पिता,
तू ही हमसाया है,
बचपन से मां ने मुझे,
श्री श्याम सिखाया है।bd।

Singer – Kinshuk Sharma
Lyrics – Bimal Kumar Sharma
9460275480
